Mobile: 9983140780
Email: ashok.drmr@gmail.com

भा.कृ.अनु.प.-सरसों अनुसंधान निदेशालय

सेवर] भरतपुर (राजस्थान) 321 303

डॉ. अशोक कुमार शर्मा
प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांकः 11.08.2023

प्रेस विज्ञप्ति

देश की विभिन्न जलवायु परिस्थितयों के लिए राई-सरसों की चार नई उन्नत किस्मे विकसित

बदलते परिवेश में अधिक उत्पादन के लिये किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता

सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर के नेतृत्व में अखिल भारतीय राई-सरसों परियोजना के अन्तर्गत देश में कार्यरत विभिन्न केन्द्रों द्वारा विकसित सरसों की चार उन्नत किस्मों को शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जम्मू में 3-4 अगस्त 2023 को आयोजित अखिल भारतीय राई-सरसों अनुसंधान परियोजना की 30 वीं वार्षिक संगोष्ठी में देश कि विभिन्न जलवायु परिस्थितियों के लिए अनुशंसित किया गया है।

1. डी.आर.एम.आर.-2018-19 (BPM-11) :- यह किस्म सरसों अनुसंधान निदेशालय, सेवर, भरतपुर द्वारा विकसित की गयी । इसकी औसत उपज 1860 किलोग्राम/हैक्टेयर, तेल अंश 35-38 प्रतिशत एवं पकाव अवधि 120-125 दिन है। यह सिंचित क्षेत्रों में देरी से बुवाई के लिए राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार एवं उत्तराखण्ड राज्यों हेतु अनुशंसित की गयी है।

2. **आर.एच. 1975** :- यह किस्म हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा विकसित की गयी। इसकी औसत उपज 2720 किलोग्राम/हैक्टेयर, तेल अंश 39-40 प्रतिशत एवं पकाव अवधि 140-45 दिन है। यह सिंचित क्षेत्रों में समय से बुवाई के लिए दिल्ली, हरियाणा, जम्मू, पंजाब एवं उत्तरी राजस्थान राज्यों हेतु अनुशंसित की गयी है।

3. **पी.डी.जेड.-14 (PDZM-35) :-** यह गुणवत्ता वाली किस्म है जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा विकसित किया गया है। इसकी औसत उपज 2150 किलोग्राम/हैक्टेयर, तेल अंश 42 प्रतिशत एवं पकाव अवधि 135-140 दिन है। यह सिंचित क्षेत्रों में समय से बुवाई के लिए राजस्थान, उत्तर प्रदेश , मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्यों हेतु अनुशंसित की गयी है।

4 **पी.डी.जेड.-15 (PDZM-36) :-** यह भी गुणवत्ता वाली किस्म है जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा ही विकसित किया गया है, इसकी औसत उपज 2050 किलोग्राम/हैक्टेयर, तेल अंश 41-42 प्रतिशत एवं पकाव अवधि 130-135 दिन है। यह भी सिंचित क्षेत्रों में समय से बुवाई के लिए राजस्थान, उत्तर प्रदेश , मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्यों हेतु अनुशंसित की गयी है।

सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेश क डॉ. पी के राय ने कहा कि आर्थिक सृदृढता के लिये किसानों को राई-सरसों की खेती को बढावा देने की जरूरत है। देश में तिलहन उत्पादन को बढाया जा सकता है । कृषि वैज्ञानिक निरन्तर किस्मों एवं तकनिको को विकसित कर रहे है। इन नवीन किस्मों एवं अनुसंधानों को किसानों तक समय पर पहुंचाया जाना चाहिए । साथ ही बदलते परिवेश में अधिक उत्पादन के लिये किसानों को जागरूक व प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

देश के विभिन्न राज्यो से आये लगभग 130 वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया। इस संगोष्ठी का संचालन

(अशोक कुमार शर्मा)

G20
MILLETS
ANNUAL

G20
MILLETS
ANNUAL